Hindi | हिन्दी

पेरेंटिंग प्लानस (परवरिश करने से सम्बन्धित योजनाएँ)

पेरेंटिंग प्लान बनाते समय माता-पिता के लिए विचार करने हेतु जानकारी

सेपारेशन (जीवनसाथियों का एक दूसरे से अलग होना) सभी के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर बच्चों के लिए। इस कठिन समय के दौरान, बच्चों को अपने माता-पिता और उनके जीवन में शामिल अन्य महत्वपूर्ण लोगों, जैसे दादा-दादी और भाई-बहनों के समर्थन की आवश्यकता होती है। भविष्य के लिए कुछ निश्चितता भी हर किसी के लिए महत्वपूर्ण है।

पारिवारिक कानून प्रणाली एक-दूसरे से अलग हो रहे माता-पिता को अदालत जाने की आवश्यकता के बिना ही आपस में बच्चों के लिए व्यवस्थाएँ करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जहां ऐसा करना सुरक्षित हो। माता-पिता पेरेंटिंग प्लान बनाकर उन व्यवस्थाओं को निर्धारित कर सकते हैं जो वे अपने बच्चों के लिए स्थापित करना चाहते हैं।

पेरेंटिंग प्लान बनाते समय विचार की जाने वाली सबसे महत्वपूर्ण बात यह होती है कि आपकी संतान के लिए क्या सर्वश्रेष्ठ है।

पेरेंटिंग प्लान (परवरिश करने से सम्बन्धित योजना) क्या होता है?

पेरेंटिंग प्लान एक स्वैच्छिक समझौता है जिसमें ये बातें शामिल होती हैं: बच्चा/बच्ची प्रत्येक माता-पिता के साथ कितना समय बिताएगा, बच्चे/बच्ची के दैनिक जीवन से जुड़े व्यावहारिक सोच-विचार, और माता-पिता अपने बच्चों के लिए प्रमुख दीर्घकालिक मुद्दों के बारे में निर्णय लेने के लिए किस प्रकार सहमत हुए हैं।

पेरेंटिंग प्लान को किसी भी समय बदला जा सकता है, जब तक कि माता-पिता दोनों सहमत हों।

पेरेंटिंग प्लान कौन बना सकता है?

परिवार कानून अधिनियम 1975 (परिवार कानून अधिनियम) के तहत पेरेंटिंग प्लान बनाने के लिए, यह ज़रूरी है कि प्लान को बच्चे/बच्ची के माता-पिता दोनों द्वारा तैयार किया जाए और उसपर हस्ताक्षर करके दिनांक लिखी जाए। हालांकि, अन्य लोगों, जैसे दादा-दादी/नाना-नानी और सौतेले माता-पिता, को भी पेरेंटिंग प्लान में शामिल किया जा सकता है।

पेरेंटिंग प्लानस और कानून

पेरेंटिंग प्लान कोई भी रूप ले सकता है, जब तक कि यह लिखित रूप में हो, और दोनों माता-पिता द्वारा इसपर हस्ताक्षर करके दिनांक लिखी गई हो। यह ज़रूरी है कि इसे किसी भी खतरे, दबाव या जबरदस्ती से मुक्त होकर बनाया गया हो। परिवार कानून अधिनियम के तहत ऐसा करना आवश्यक है।

महत्वपूर्ण रूप से, पेरेंटिंग प्लान कानूनी रूप से लागू करने योग्य नहीं होता है और यह अदालत द्वारा किए गए पेरेंटिंग ऑर्डर से अलग होता है। पेरेंटिंग प्लान बनाने वाले माता-पिता, अदालत से उस प्लान के समान शर्तों पर ऑर्डर (आदेश) जारी करने के लिए कह सकते हैं। यदि दोनों पक्षों द्वारा यह सहमति व्यक्त की जाती है कि पेरेंटिंग प्लान को अदालत के आदेशों (कोर्ट ऑर्डर) के रूप में बनाया जाए, तो माता-पिता अदालत को 'सहमति आदेश' बनाने के लिए कह सकते हैं। एक बार इसे बनाए जाने के बाद, ये आदेश कानूनी रूप से बाध्यकारी होते हैं और इनका प्रभाव अदालत द्वारा बनाए गए किसी अन्य पेरेंटिंग ऑर्डर के समान होता है।

यदि माता-पिता आगे चलकर बाद की किसी दिनांक को अदालत जाते हैं, तो अदालत को बच्चे/बच्ची के संबंध में पेरेंटिंग ऑर्डर करते समय सबसे हाल ही के पेरेंटिंग प्लान की शर्तों पर विचार करना होगा, अगर ऐसा करना बच्चे/बच्ची के सर्वोत्तम हित में हो तो। अदालत इस बात पर भी विचार करेगी कि माता-पिता दोनों ने बच्चे/बच्ची के संबंध में अपने दायित्वों का किस हद तक पालन किया है, जिसमें पेरेंटिंग प्लान की शर्तें शामिल हो सकती हैं।

यदि पेरेंटिंग व्यवस्थाएँ स्थापित करने के लिए अदालत का कोई आदेश (कोर्ट ऑर्डर) है, तो माता-पिता पेरेंटिंग प्लान के माध्यम से उन व्यवस्थाओं को बदलने के लिए सहमत हो सकते हैं (जब तक कि अदालत के आदेश में कुछ अन्यथा न कहा गया हो)। इससे माता-पिता के लिए अदालत में वापस जाने के बिना बदलावों पर सहमत होना आसान हो जाता है।

यदि कोई पेरेंटिंग प्लान मौजूदा पेरेंटिंग ऑर्डर को बदल देता है, तो हो सकता है कि माता-पिता पुराने पेरेंटिंग ऑर्डर के उन हिस्सों को लागू करने में सक्षम नहीं हों जो एक नए पेरेंटिंग प्लान की शर्तों के साथ असंगत हैं।

बच्चे/बच्ची के सर्वोत्तम हित

जब माता-पिता किसी बच्चे/बच्ची के बारे में निर्णय लेते हैं, तो यह ज़रूरी है कि बच्चे/बच्ची की ज़रूरतें सबसे पहले आएँ।

कानून उन कारकों की एक सूची निर्धारित करता है जो वर्णन करते हैं कि पेरेंटिंग ऑर्डर बनाते समय बच्चे/बच्ची के लिए सबसे अच्छा क्या है, यह निर्धारित करते समय अदालत को किन बातों पर विचार करना होगा। माता-पिता के लिए पेरेंटिंग प्लानस बनाते समय इन कारकों पर विचार करना और इन चीजों को तय करना मददगार हो सकता है जैसे कि बच्चे/बच्ची के लिए निर्णय कौन लेगा और उन्हें किसके साथ रहना चाहिए और किसके साथ समय बिताना चाहिए।

कुछ प्रासंगिक कारक इस प्रकार हैं:

- बच्चे/बच्ची की सुरक्षा और बच्चे/बच्ची की देखभाल करने वाले लोग (जिसमें यह भी शामिल है कि क्या पहले कोई पारिवारिक हिंसा हुई है)

- बच्चे के विचार
- बच्चे की विकासात्मक, मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और सांस्कृतिक आवश्यकताएँ
- प्रत्येक उस व्यक्ति की क्षमता जिसकी बच्चे के विकास, मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और सांस्कृतिक आवश्यकताओं को प्रदान करने के लिए बच्चे के प्रति जिम्मेदारी होगी
- अपने माता-पिता में से प्रत्येक और उसके लिए महत्वपूर्ण अन्य लोगों (जैसे कि दादा-दादी, नाना-नानी और भाई-बहन) के साथ संबंध रखने से बच्चे को मिलने वाले लाभ, और
- कुछ और जो बच्चे की विशेष परिस्थितियों के लिए प्रासंगिक है।

यदि बच्चा/बच्ची एक एबोरिजनल (आदिवासी) या टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर बच्चा/बच्ची है, तो यह विचार करना भी महत्वपूर्ण है कि पेरेंटिंग प्लान उस बच्चे/बच्ची को अपने एबोरिजनल या टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर संस्कृति का अनुभव करने में कैसे मदद करेगा।

पेरेंटिंग प्लान में क्या शामिल किया जा सकता है?

सेपारेशन (एक-दूसरे से अलग होने) के बाद किसी परिवार की परिस्थितियों के लिए पेरेंटिंग प्लान विशिष्ट होगा। यह व्यावहारिक, सरल और यथासंभव विशिष्ट होना चाहिए।

पेरेंटिंग प्लान बच्चे/बच्ची की देखभाल, कल्याण और विकास के किसी भी पहलू से निपट सकता है।

पेरेंटिंग प्लान के तहत जिन चीजों को सम्मिलित किया जा सकता है, उनमें शामिल हैं:

- बच्चा/बच्ची किसके साथ रहेगा/गी
- बच्चा/बच्ची प्रत्येक माता-पिता के साथ कितना समय बिताएगा/गी (नीचे समय व्यवस्थाएँ देखें)
- बच्चा/बच्ची अन्य लोगों के साथ कितना समय बिताएगा/गी, जैसे कि दादा-दादी/नाना-नानी
- प्रमुख दीर्घकालिक मुद्दों पर निर्णय लेने सहित अभिभावकीय जिम्मेदारी को कैसे आवंटित किया जाएगा (नीचे अभिभावकीय जिम्मेदारी देखें)
- परामर्श जो बच्चे/बच्ची को प्रभावित करने वाले प्रमुख दीर्घकालिक मुद्दों पर निर्णय लेने के बारे में होने चाहिए
- बच्चा/बच्ची प्रत्येक माता-पिता या अन्य लोगों के साथ कैसे संवाद करेगा (उदाहरण के लिए, फोन, ईमेल या पत्रों द्वारा)
- जन्मदिन और छुट्टियों जैसे विशेष दिनों के लिए क्या व्यवस्थाएँ किए जाने की आवश्यकता है
- प्लान को बदलने या प्लान के बारे में किन्हीं असहमतियों को हल करने के लिए किस प्रक्रिया का उपयोग किया जा सकता है
- बच्चे/बच्ची के लिए बाल सहायता*
- अभिभावकीय जिम्मेदारी या बच्चे/बच्ची की देखभाल, कल्याण और विकास के बारे में कुछ और महत्वपूर्ण।

*आपके पेरेंटिंग प्लान में बाल सहायता (चाइल्ड स्पोर्ट) को शामिल करने के बारे में विशेष नियम लागू हैं (नीचे, **देखभाल के निर्णय - बाल सहायता पर प्रभाव और Centrelink** देखें)।

क्या मैं अपने पेरेंटिंग प्लान में अन्य चीजों को शामिल कर सकता/ती हूँ?

परिवार कानून अधिनियम के तहत पेरेंटिंग प्लान को बच्चे/बच्ची की देखभाल, कल्याण और विकास के एक विशिष्ट पहलू को संबोधित करना *होगा*। पति-पत्नी के रखरखाव या संपत्ति जैसे अन्य प्रावधानों को भी शामिल किया जा सकता है, लेकिन ये कानूनी रूप से लागू करने योग्य नहीं हैं। इन प्रावधानों को अन्य तरीकों से कानूनी रूप से लागू करने योग्य बनाया जा सकता है, जैसे कि इन मुद्दों पर सहमति होने पर सहमति आदेश की मांग करना। सहमति आदेश मांगने में दोनों पक्षों का शर्तों से सहमत होना और अनुमोदन के लिए अदालत में समझौते को प्रस्तुत करना शामिल होता है।

समय संबंधी व्यवस्थाएँ

कानून में इस बारे में कोई अनुमान नहीं है कि बच्चे/बच्चों को प्रत्येक माता-पिता के साथ कितना समय बिताना चाहिए। हालांकि कुछ लोग मानते हैं कि ऑस्ट्रेलियाई कानून माता-पिता को अपने बच्चों के साथ समान समय बिताने का अधिकार देता है, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ है।

यह तय करते समय कि बच्चे/बच्ची को किसके साथ रहना चाहिए और किसके साथ समय बिताना चाहिए, माता-पिता को उन 'सर्वोत्तम हितों' वाले कारकों के माध्यम से जांच करने में मदद मिल सकती है, जिन पर अदालत उस स्थिति में विचार करेगी यदि अदालत को यह फैसला लेना हो तो (ऊपर, बच्चे/बच्ची **के सर्वोत्तम हित** देखें)।

अभिभावकीय जिम्मेदारी

अभिभावकीय जिम्मेदारी का अर्थ है वे सभी कर्तव्य, शक्तियाँ, जिम्मेदारियाँ और अधिकार जो माता-पिता के पास अपने बच्चों के संबंध में होते हैं।

प्रत्येक माता-पिता की सामान्य तौर पर बच्चे/बच्ची की अभिभावकीय ज़िम्मेदारी होती है, भले ही वे विवाहित हों, किसी डि-फेक्टो रिश्ते में हों, कभी भी रिश्ते में नहीं रहे हों, या फिर अन्यथा। इसका अर्थ है कि प्रत्येक माता-पिता स्वतंत्र रूप से बच्चे/बच्ची के बारे में निर्णय ले सकते हैं। जब 18 वर्ष से कम आयु वाले/ली बच्चे/बच्चों के माता-पिता एक-दूसरे से अलग होते हैं, तो माता-पिता की अभिभावकीय जिम्मेदारी बनी रहती है, जब तक कि यह अदालत के आदेश से इसे बदला नहीं जाता है।

अभिभावकीय जिम्मेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू जिसे आप अपने पेरेंटिंग प्लान में शामिल कर सकते हैं, वह यह है कि आपकी संतान के लिए प्रमुख दीर्घकालिक मुद्दों पर निर्णय कैसे लिए जाएंगे। प्रमुख दीर्घकालिक मुद्दों में बच्चे/बच्ची की शिक्षा, धार्मिक और सांस्कृतिक परवरिश, स्वास्थ्य, नाम के साथ-साथ बच्चे/बच्ची के रहन-सहन की व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण बदलाव शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलियाई पारिवारिक कानून एक-दूसरे से अलग हुए माता-पिता को अपनी संतान के लिए प्रमुख दीर्घकालिक मुद्दों पर निर्णय लेते समय एक-दूसरे से परामर्श करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जहां ऐसा करना सुरक्षित हो। इन निर्णयों को लेते समय बच्चे/बच्ची के सर्वोत्तम हित सबसे महत्वपूर्ण विचार होते हैं।

अब ऐसा कोई अनुमान नहीं है कि, यदि अदालत के आदेश आवश्यक हैं, तो अदालत माता-पिता के लिए प्रमुख दीर्घकालिक मुद्दों पर निर्णय लेने को समान रूप से साझा करने का आदेश देगी। अदालत मामले की विशिष्ट परिस्थितियों पर ध्यान देगी और इस आधार पर आदेश देगी कि बच्चे/बच्ची के लिए सबसे अच्छा क्या है। ऑर्डर (आदेश) संयुक्त या एकमात्र अभिभावकीय जिम्मेदारी के लिए हो सकते हैं, जिसमें प्रमुख दीर्घकालिक मुद्दों पर निर्णय लेना शामिल है। अदालत विशिष्ट प्रमुख दीर्घकालिक मुद्दों के संबंध में संयुक्त या एकमात्र निर्णय लेने के आदेश भी दे सकती है।

पेरेंटिंग प्लान तैयार करते समय अन्य सोच-विचार

पेरेंटिंग प्लान तैयार करते समय, माता-पिता को इस दस्तावेज़ में सम्मिलित जानकारी पर विचार करना चाहिए, जिसमें पेरेंटिंग प्लान बनाने के कानूनी निहितार्थ भी शामिल हैं। माता-पिता को पेरेंटिंग प्लान में ऊपर दी गई सूची से चीजों को शामिल करना उपयोगी लग सकता है (ऊपर यह देखें कि **पेरेंटिंग प्लान में क्या शामिल किया जा सकता है**)।

पेरेंटिंग प्लान की शर्तों के बारे में किसी भी विवाद को हल करने के लिए, या पेरेंटिंग प्लान में परिवर्तन करने के लिए व्यवस्थाएँ शामिल करना उपयोगी हो सकता है। यह उस स्थिति में सहायता कर सकता है यदि बच्चे/बच्ची के बड़े होने के साथ-साथ उसकी ज़रूरतें या परिस्थितियाँ बदलती हैं (उदाहरण के लिए, जब बच्चा प्राईमरी या सेकेंडरी स्कूल जाना शुरू करता है)।

देखभाल के निर्णय - बाल सहायता (चाइल्ड स्पोर्ट) और Centrelink पर प्रभाव

बाल सहायता योजना (चाइल्ड स्पोर्ट स्कीम) और फैमिली टैक्स बेनेफिट (FTB) पार्ट A लंबे समय से चले आ रहे सिद्धांत को दर्शाने के लिए निकटता से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं कि माता-पिता मुख्य रूप से अपने बच्चों की वित्तीय सहायता के लिए जिम्मेदार होते हैं, ऑस्ट्रेलियाई सरकार जहां आवश्यक हो, पारिवारिक सहायता प्रदान करती है।

किसी बच्चे/बच्ची की देखभाल व्यवस्था माता-पिता के बाल सहायता भुगतान (चाइल्ड स्पोर्ट पेमेंट), FTB और आय सहायता भुगतान को प्रभावित कर सकती है।

Services Australia की वेबसाइट पर और अधिक जानकारी पाई जा सकती है: https://www.servicesaustralia.gov.au/learning-about-child-support।

क्या आपको पेरेंटिंग प्लान का पालन करने में कठिनाइयाँ आ रही हैं?

यदि माता-पिता में से किसी एक को पेरेंटिंग प्लान का पालन करने में कठिनाई हो रही हो, जिसे वे एक-दूसरे के साथ समझौते से हल नहीं कर सकते हैं, तो सहायता के लिए कई सेवाएं उपलब्ध हैं, जैसे कि परामर्श और पारिवारिक विवाद समाधान सेवा। उदाहरण के लिए, माता-पिता किसी मौजूदा समझौते को बदलने या किसी पेशेवर की मदद से एक नया पेरेंटिंग प्लान बनाने में सक्षम हो सकते हैं।

जानकारी और सलाह के लिए, फैमिली रिलेशनशिप एडवाइस लाइन (पारिवारिक संबंध सलाह सेवा) से 1800 050 321 पर संपर्क करें, जिसमें आपके स्थानीय क्षेत्र में सेवाओं के लिए रेफरल शामिल है, जैसे कि फैमिली रिलेशनशिप सेंटर।

क्या आपको पेरेंटिंग प्लान बनाने में सहायता की आवश्यकता है?

माता-पिता को अपने बच्चों के बारे में एक समझौते तक पहुंचने में मदद करने के लिए सेवाएं उपलब्ध हैं, जैसे परामर्श और पारिवारिक विवाद समाधान सेवाएँ। ये सेवाएं फैमिली रिलेशनशिप सेंटरों सहित कई संगठनों द्वारा प्रदान की जाती हैं।

इनके बारे मे	**सहायता उपलब्ध है**
पेरेंटिंग प्लान बनाना	ऐसी कई सेवाएं हैं जो पेरेंटिंग प्लान बनाने और उनका अनुपालन करने में आपकी सहायता कर सकती हैं: • Family Relationship Advice Line (पारिवारिक संबंध सलाह सेवा) - 1800 050 321 पर कॉल करें या https://www.familyrelationships.gov.au/talk-someone/advice-line पर जाएं। • फैमिली रिलेशनशिप सेंटर और अन्य पारिवारिक विवाद समाधान सेवाएं - 1800 050 321 पर कॉल करें। • फैमिली रिलेशनशिप्स ऑनलाइन - www.familyrelationships.gov.au पर जाएँ। • मान्यता प्राप्त पारिवारिक विवाद समाधान पेशेवरों की सूची - यह वेबसाइट देखें https://fdrr.ag.gov.au/।
पारिवारिक कानून से जुड़ी सलाह	सेवाओं और सहायता सहित पारिवारिक कानून के बारे में जानकारी के लिए, ऑस्ट्रेलियाई अटॉर्नी जनरल के विभाग की वेबसाइट पर जाएं: • पारिवारिक कानून सेवाएं और सहायता तथ्य पत्रक - https://www.ag.gov.au/families-and-marriage/publications/family-law-services-and-support-fact-sheet • माता-पिता और पार्टियों (पक्षों) के लिए पेरेंटिंग फ्रेमवर्क में 2024 के परिवर्तनों का संक्षिप्त विवरण: https://www.ag.gov.au/families-and-marriage/publications/family-law-amendment-act-2023-factsheet-parents

पेरेंटिंग (परवरिश करने से सम्बन्धित) सहायता	ऑस्ट्रेलियाई सरकार माता-पिता को कार्यक्रम और सहायता प्रदान करने के लिए कई संगठनों को धन-राशि देती है: • अपनी आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए निकटतम संगठन खोजने के लिए, https://serviceproviders.dss.gov.au/ पर जाएं। • ऑस्ट्रेलियाई सरकार Raising Children Network को फंड करती है जिसमें माता-पिता के लिए कई तरह की जानकारी है - https://raisingchildren.net.au/grown-ups/family-life।
बाल सहायता योजना (चाइल्ड स्पोर्ट स्कीम)	बाल सहायता के बारे में जानकारी के लिए, Services Australia से 13 12 72 पर संपर्क करें, या https://www.servicesaustralia.gov.au/learning-about-child-support?context=60015 पर जाएँ। • बाल सहायता अनुमानक - https://www.servicesaustralia.gov.au/online-estimators?context=64107। • बाल सहायता मार्गदर्शिका - https://www.servicesaustralia.gov.au/child-support-online-help-guides?context=64107।
फैमिली टैक्स बेनेफिट	Services Australia (Centrelink) से 13 16 50 पर संपर्क करें या फैमिली टैक्स बेनिफिट जानकारी वेबपेज: https://www.servicesaustralia.gov.au/family-tax-benefit पर जाएं। • ऑस्ट्रेलियाई सरकार के भुगतानों से सम्बन्धित गाइड (मार्गदर्शिका) - https://www.servicesaustralia.gov.au/guide-to-australian-government-payments?context=22। • पारिवारिक सहायता मार्गदर्शिका - https://guides.dss.gov.au/family-assistance-guide। • FTB के साथ बाल सहायता पारस्परिक-क्रियाएँ - https://guides.dss.gov.au/child-support-guide। • Raising Kids – https://www.servicesaustralia.gov.au/raising-kids।